प्रभात खबर 15-4-2023

व्यक्ति नहीं, विचारधारा का नाम है आंबेडकर

आंबेडकर जयंती की पूर्व संध्या पर पटना ट्रेनिंग कॉलेज में हुई संगोष्ठी

पटना. मगध विश्वविद्यालय के पूर्व प्रति कुलपति प्रो कार्यानंद पासवान ने कहा कि डॉ आंबेडकर का संपूर्ण जीवन कांटों भरा था, लेकिन उन्होंने कभी हार स्वीकार नहीं की बल्कि शिक्षा और संघर्षों के बल पर नयी राह बनायी.

वे गुरुवार को आंबेडकर जयंती की पूर्व संध्या पर पटना ट्रेनिंग कॉलेज में 'आंबेडकर के विचार : आधुनिक समय की मांग' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया. जिसमें वे बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे. उन्होंने कहा कि व्यक्ति नहीं विचारधारा का नाम है डॉ भीम राव आंबेडकर. मौके पर विशिष्ट अतिथि नालंदा कॉलेज शिक्षा शास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ ध्रुव कुमार,वीमेंस ट्रेनिंग कॉलेज की पूर्व प्राचार्य डॉ वीणा प्रसाद ,पटना ट्रेनिंग कॉलेज के प्राचार्य प्रो आशुतोष कुमार, अरुणेश कुमार, कॉलेज के सहायक प्राध्यापक विनय कुमार ने किया. कॉलेज के शिक्षक डॉ दीप नारायण, मो अरशद हुसैन, डॉ ऋषिकेश बहादुर, राकेश, कुंदन, डॉ प्रभुनाथ सिंह, श्रीमती राजलक्ष्मी, श्रीमती नाहिदा जमाल, श्री अमित भी उपस्थित रहे.

वहीं चाणक्य नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी में गुरुवार को बाबासाहेब डॉ भीम राव अंबेडकर की जयंती मनायी गयी. इस मौके पर कंट्रीब्यूशन ऑफ अंबेडकर इन इंडियन पॉलिटिकल सिस्टम पर परिचर्चा भी आयोजित की गयी. परिचर्चा की शुरुआत प्रो एसपी सिंह ने किया. कार्यक्रम को कुलपति न्यायमूर्ति मृदुला मिश्रा ने संबोधित किया. धन्यवाद ज्ञापन प्रत्युष कौशिक ने दिया. इस मौके पर सीएनएलयू के सभी स्टूडेंट्स व शिक्षक मौजूद रहे.